हारे का सहारा तू ही है। by Suraj Sharma

जब कोई नहीं आता तब आता यही है
माझी बन नैया पार लगता यही है
की हारे का सहारा यही है

आंधी और तूफान से लगता ना डर
दुनिया की अब मुझको ना फिकर
रहमत की मुझ पर बरसात हो गई
जब से सांवरे से मुलाकात हो गई
मुलाकात हो गई.....
उलझन मेरी सारी सुलझाता यही है
माझी बन नैया पार लगता यही है
की हारे का सहारा यही है

दर पर तेरे जब से आए हैं हम
कभी ना रुलाया खाकर कहते कसम
अपनों से ज्यादा मुझे प्यार मिल गया
दर पर तेरे श्याम परिवार मिल गया
परिवार मिल गया.....
ऐसे प्रेमी को मिलाता यही है
माझी बन नैया पार लगता यही है
की हारे का सहारा यही है

तेरा यह सुरूर मेरे मन में चढ़ा
धीरे धीरे बाबा मैं भी आगे बढ़ा
भजनों को जब से मैं गाने लगा
जीवन से अंधेरा मेरे जाने लगा
डूबे सूरज को तो उगाता यही है
माझी बन नैया पार लगता यही है
की हारे का सहारा यही है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%b9%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-suraj-sharma/